आपां बंय्या का ई बण ज्यावां जंय्या की आपणी सोच होवै, ईं क्ले ई बात को ध्यान राखो कि थ्हे के सोचो हो।

स्वामी विवेकानन्द

सेखावाटी तिमाई पतरिका

आपणी सेखावाटी, आपणी बोली

जनवरी सूं मारच-2018

nirmaan
empowering communities

संपादक

निरमाण सोसायटी-नोलगड

अग्यानी मिनख एक सांड की जंय्या है, ग्यान म नै होकी अकार म बढै है। - गौतम बुद्ध

ओळखाण

आपणै राजस्तान कै मांय बोळी सारी बोलियां बोली जा है। बिमै एक सेखावाटी बोली बी बोली जा है। आ बोली राजस्तान कै चुरू, झूंझनू अर सीकर जिला मांय बोली जा है। ई बोली नै आपणा एरिया मांय "सेखावाटी बोली" को नांव दियो गयो है। जखी आपणा घरका, गांमका अर ठिकाणा कै लोगां कै सागै बोला हां, पण दो-च्यार बरस सूं ई बोली नै भूलता जार्या हां। ईंक्ले आपणी बोली नै बणाया राखबा क्ले कई तरियां की पोथियां बणाई है। जखी म एक "सेखावाटी तिमाई पतरिका" बणाई है। बिमै आपणी बोली म बोली जाबाळी काह्णियां, कहबत, सुबिचार, भजन, धमाल, लोकगीत, पाह्ळी घरेलू नुसखा अर सिरकार की योजना अ सगळी चीज्यां लिखी गई है। आनै लिखबा को म्हारो ओ मकसद है कि आपणी मान-मरयादा अर धारा नै बणाया राखबा क्ले अर आपणी बोली पीडी दर पीडी बणी रह सकै। आपणी बोली को अबतांई कोई कन बी लिखेड़ो रूप कोनी। राजस्तान मांय सैसूं पेली आपणी बोली को लिखेड़ो रूप देबा को काम निरमाण सोसायटी कै दुआरा कर्यो जार्यो है। पण थ्हारै लोगां कै सारा बिना ओ काम अधूरो है।

सेखावाटी धमाल

कद आवैलो

एहे...कद आवैलो भोजाईये राणो काजटियो ए [टेर]

एहे...चालो ए भोजाईये आपां पीपळ पूजण चालां ए...

बठे-बठे आवै राणो काजटियो ए कद आवैलो...[1] टेर

एहे...चालो ए भोजाईये आपां सोनिड़ै घर चालां ए...

हो...मादळियो घड़ावै राणो काजटियो कद आवैलो... [2] टेर

एहे...चालो ए भोजाईये आपां पिणघट ऊपर चालां ए...

घड़लो उठावै राणो काजटियो ए कद आवैलो...[3] टेर

एहे...चालो ए भोजाईये आपां माळिड़ै घर चालां ए...

ओ फुलड़ा मुलावै राणो काजटियो ए कद आवैलो...[4] टेर

सेखावाटी भजन

सतगुरु कर मेरा भाई

विघ्न हरण मंगल करण ओर होत बुधी परकास।

लेत नांव गणेस को तो हरे करोड़ अपराध॥

बरमा, बिसणू अर लक्समी तो महेस गुणो की खान।

सरसवति मया मनाय कै मै करूं हरि गुणगान॥

बिना गुरु बिना ना कोई संगी

अंत समय कै मांय रै मन मेरा सतगुरु कर मेरा भाई...[टेर]

जद घणो कस्ट पड़ैगो तेरै रै निरगुण आडो आई

मात-पिता सुत तिरिया रै बान्धू मुंडो रै लेसी छिपाई [1] टेर

धन ओर दोलत मैल-माळिया रै सबी धर्या रह ज्याई

जमका दूत पकड़ ले ज्यासी रै जूता खातो ज्याई [2] टेर

राज तेज की चलै नाही मायती देवांगा चलै बठे नाही

दूर खड़्या गुरुदेव देखिया भाग गया जमराई [3] टेर

गुरु मिलै तो बन्दन छुड़ा दे निरभय कर दे सोई

अचल राम तज सकल आसरो गुरु सरण सुख होई [4] टेर

सेखावाटी कहबत

1. अंबर कै थेगळी कोनी लागै।

अर्थ:- असम्भव काम होना।

2. अ ल्योजी! घोड़ां का पारखी, पूंछ ऊंची कर दांत देखै।

अर्थ:- निपट अनाड़ी और अनभिज्ञ व्यक्ति जब व्यर्थ में किसी विषय में दखल अंदाजी करता है, तब व्यंग्य में इस कहावत का प्रयोग किया जाता है।

सेखावाटी पाह्ळी

1. भूरती भैंस टीबा पै ब्याई, सो सींगाळी पाडी ल्याई, जामतांई मारण नै आई – **भरूंट**

2. हरी घणी लाम्बी घणी सुओ जस्यो रंग, ग्यारा देवर छोड नै चाली जेठ कै संग – **सांगरी**

बणाबाळा:-

कमलेश कुमार अर विक्रम सिंह

मदत करबाळा:-

मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी अर कविता योगी

जीवन लाम्बो होणा कै बजाय बडो (महान) होणो चाये। - बी. आर. अम्बेडकर

देसी नुसखो

खांसी जुखाम को इलाज:-

1. एक चमची अदरख का रस मांय एक चोथाई सैद अर चुटकी भर हळदी मिला'र लेबा सूं खांसी म अराम आवै है।

2. एक चमची सैद मांय पीसेड़ी काळी मिरच मिला'र लेबा सूं खांसी मांय अराम आवै है अर खांसी तावळी ई दूर होज्या है।

3. एक बडी चमची अजवाण का पात को रस अर हळदी मिला'र गरम करल्यो। फेर बिनै सीळो होबा द्यो, सीळो होबा कै पाछै बिनै सैद मांय मिला'र लेबा सूं अराम मिलै है।

भुंदेड़ा चणा म काळी मिरच मिला'र खाबा सूं बी खांसी मांय अराम मिलै है। लमसम 100 गराम गुड़ मांय आदी चमची पीसेड़ी सूंठ अर एक चोथाई पीसेड़ी काळी मिरच मिला'र बानै च्यार हिस्सा म बांटल्यो। जिनै दिन म च्यार बर लेबा सूं खांसी अर जुखाम म अराम आवैगो।

हणमान जी को गीत

हणमत कैण चिणायो बालाजी थ्हारो देवरो

हणमत कैण दिराई गजनीम बाबै बजरंग जी रो बुंगेलो यद बुण्यो

हणमत राजा जी चिणायो बालाजी थ्हारो देवरो

हणमत सेवका दिराई गजनीम बाबै बजरंग जी रो बुंगेलो यद बुण्यो

हणमत असी ए खुसा म बालाजी थ्हारो देवरो

हणमत सगळी सैसंट म जगां जोत बाबै बजरंग जी रो बुंगेलो यद बुण्यो

हणमत कळी ए चूना रो बालाजी थ्हारो देवरो

हणमत अगड़ चनण रा किंवाड़ बाबै बजरंग जी रो बुंगेलो यद बुण्यो

हणमत हात पसार्या बालाजी थ्हारा नावड़ा

हणमत भीड़ पड़्या थ्हे हाजर होय बाबै बजरंग जी रो बुंगेलो यद बुण्यो

हणमत घी भर दीवलो बालाजी थ्हारै जोड़स्यां

हणमत लूळ-लूळ लेस्यां थ्हारी लोय बाबै बजरंग जी रो बुंगेलो यद बुण्यो

हणमत चढ नै चढावां बालाजी थ्हारै चूरमो

हणमत ओर चूंट्याळा नाळेर बाबै बजरंग जी रो बुंगेलो यद बुण्यो

हणमत कोरो सो कळस्यो बालाजी थ्हारै जळ भर्यो

हणमत इमरस चळू ए कराय बाबै बजरंग जी रो बुंगेलो यद बुण्यो

हणमत कांटै कांट्याळी बालाजी थ्हारी खेजड़ी

हणमत धजा ए फरूकै असमान बाबै बजरंग जी रो बुंगेलो यद बुण्यो।

सेखावाटी काह्णी

बादस्या को सुपनो

एक ताकतवर अर न्याय चावण आळो बादस्या हो। बो घणी सारी राड़ जीत राखी ही। पण होळे-होळे खून-खराबा सै बिको मन भरबा लाग्यो। एक रात नै बिकै सुपना कै मांय एक देवता आयो अर बोल्यो बादस्या! मै थ्हारा सूं राजी हूं। ल्यो आ खड़ग, आ थ्हानै जग कै मांय जीत दिवावैगी। बादस्या हात जोड़'र बोल्यो हे देव, मै थ्हारी ई किरपा सूं खुस हूं। पण ई खड़ग को मै के करस्यूं? मनै लड़ाई सै घिन होती जारी है। जणा देवता एक हात कै मांय मणी ले'र बोल्यो, आ नील मणी लेल्यो। ईंकै चमतकार सै थ्हानै घणो सारो धन मिलैगो। ई बात पै बादस्या बोल्यो, 'थ्हे बडा दयालु हो।' थ्हारी मेरपै अत्ती किरपा है। परजा सै लगान म जखो धन मनै मिलसी, बिसूं देस को कामकाज चोखी तरियां चालज्या। ई बात पै देवता बोल्यो, 'बादस्या लागै थ्हानै जग की चीज्यां म थ्हारी रूची कोनी। थ्हे मेरै सागै सुरग म चालो।' बादस्या जुबाब दियो, 'सुरग कै सुख को मनै के करनो है। मेरी प्यारी धरती सुरग सै के कम है?' देवता बोल्यो 'ठीक है, मै थ्हानै फूलां का किमी बीज देस्यूं। जठे बी खिंडास्यो, बठे ईंय्या की सोरम आळा फूल होवैगा कै बानै सुंगतांई बेरी बी भायला बण ज्यासी।' ई बर बादस्या कै होठां पै खुसी आई। दोन्यूं हात आगै करकी फूलां का बीज ले लिया अर राजी हो'र बोल्यो, 'सच म मनै आंकी ई जरूत ही। परजा का मिनख मिलजुल की रहवै, ईंसूं बडी बात ओर के हो सकै।' बादस्या को सुपनो टूटग्यो। बिकी सारी आफत मिटगी। मिनखा की भलाई करनो ई बादस्या नै आपको लकस्य बणा लियो।

सीख:- काम नै सोच बिचार'र करनो चाये।

नरेगा की ध्याड़ी

महात्मा गांधी रास्टीय गरामीण रोजगार योजना अधिनियम 2005 सायद ई दुनिया की सैसूं बडी काम आळी योजना है। ई योजना सूं कई कुणबा जखा गरीबी रेखा सूं नीचै जीर्‌या है या जखा कन काम-धंधो कोनी है बानै सिरकार दुआरा कम सूं कम 100 दिन को काम दियो जा है, जंय्या कै सल्डक बणाणो, सिंचार को काम कराणो। आ योजना ई आस कै सागै दी जाय है जिसूं गरामीण कुणबा, ई तनखा सूं ओर बडिया सुविदा देख'र आपकै गांमै ई बस्या रह, बजाय सैर कै।

1. समंदी बिभाग

केन्दर सिरकार: गरामीण बिकास मंतराल्य

राजस्तान सिरकार: राजस्तान गरामीण बिकास बिभाग

2. हक (Best source: supreme court order http://sccommisioners.ord/FoodSchemes/MGNREGA.html)

भोत सारी जाणकारी लेबा क्ले बेबसायट नै खोल'र देखो।

• हरेक गरामीण परिवार कै हरेक साल 100 दिन को काम (18 बरस सूं ऊपर को कोई बी मिनख) दियो जा है।

• 15 दिना कै मांय काम मिल ज्याणो चाये।

• काम बी बठे ई मिलणो चाये जठे फारम भरबाळो काम करतो होवै अर जे काम की जगां जखी घरां सूं 5 किलोमीटर सूं जादा है तो यातरा भत्तो मिलणो चाये।

• पेल्यां सूं तय करेड़ी कम सूं कम मजूरी को भुगतान पण हर दिन रिपिया 122/- को भुगतान देणो होवैगो। (सिरकारी कागज-पानड़ा देखणा क्ले बेबसायट नै खोल'र देखो)

• बेंक या डाग खातो या खाली नगद दुआरा भुगतान जठे बेंक या डागघर कोनी होवै। (सिरकारी कागज-पानड़ा देखणा क्ले बेबसायट नै खोल'र देखो)

• काम की टेम कै 14 दिना कै मांय बेंक या डाग खाता म मजूरी को भुगतान मिल ज्याणो चाये।

• 15 दिना कै मांय जे काम कोनी मिलतो होवै तो बिना काम को भत्तो दियो जाणो चाये। पेली 30 दिन क्ले 33 परतिसत अर बिकै पाछै कै दिना क्ले 50 परतिसत मिलणो चाये।

• काम करबाळी जगां पै – साफ पाणी, आपातकालीन निरोगी सेवा, टाबर की देखरेख की सुबिदा अर अराम करबा क्ले सेड की सुबिदा दी जा है।

• रिपिया 25000/- को हरजाणो बानै दियो ज्यागो जखा की नरेगा कै मांय काम करती बखत मोत हो ज्या या हमेसा क्ले लंगड़ो होज्या।

नरेगा कै मांय मजूरिया नै

• जनसिरी बीमा योजना जखी गरामीण लोगां क्ले जीवन बीमा को अर लंगड़ो होबा पै नफो दियो जाय है।

• रास्टीय निरोगा बीमा योजना बा सगळा मजूरिया क्ले जखा गेल की साल मांय कम सूं कम 15 दिना सूं जादा काम कर्‌यो है।

3. आवेदन का तरीका (सफलता को चानस 50 परतिसत, टेम की सीमा 06 म्हना)

* थ्हारी पंचायत कै मांय रोजगार कारड क्ले फारम भर द्‌यो।

* जे काम को कारड है तो काम क्ले फारम भरो।

* थ्हे बठे की पंचायत म जा सको हो या फारम ओनलायन भर सको हो।

* 15 दिना कै मांय काम मिल ज्या है।

4. दबाव (जे फारम भरबा कै पाछै सफलता कोनी मिलै)

(क) नरेगा सिकायत निपटारा केन्दर सूं सीदा मेळ करो।

(ख) बडी कचेड़ी कै आयुक्त का सलाहकार सूं मेळ करो (आपां जखा नै जाणा हां)

डॉ.प्रदीप भार्गव

फोन:- 915322569214

ई-मेल:- pradeep1412@rediffmail.com.

डॉ. जिनी श्रीवास्तव

फोन:- 09414164512

ई-मेल:- astha@gmail.com.

थ्हारा बिचार

ई पतरिका अर आपणी लिखेड़ी बोली कै बारै म थ्हारा के बिचार है। बै थ्हे म्हानै बतावो। थ्हार कन सेखावाटी बोली कै मांय कंय्या की बी लिखेड़ी कोई पोथी होवै बिमै आपणी बोली की काहणिया, कहबत, चुटकला, नाटक, भजन, धमाल, गीत, पाहळी, सेखावाटी को इतियास, कथा अर कोई जीवनी आ सगळा कै बारै म कोई बी लिखेड़ी पोथी होवै तो थ्हे म्हानै द्‌यो जिसूं म्हे थ्हारी फोटू कै सागै थ्हारो सगळो ठोर-ठिकाणो अर नांव बी छापांगा जिसूं आपणी बोली नै बढावो मिलैगो।

ई क्ले थ्हारा लोगां सूं बिनती है कि आपणी बोली कै मांय ई काम नै बढाबा म थ्हे म्हारी मदत करो। थ्हारो पधारणो अर लिखेड़ो लेख सदा ई सुआगत कै काबिल रहगो।

ठिकाणो

निरमाण सोसायटी

म्होल्लो आथूणो, खतरी कलोनी, वारड नमर 6,

नोलगड, झुंझनू, राजस्तान, पिन कोड - 333042

फोन नमर - 01594-223776

Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web- www.nirmaan.org.in